प्रस्तावित मंडी स्थानांतरण से पूर्व स्थानीय व्यापारियों से चर्चा की मांग

खास बातें

- थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ सिरोंज अध्यक्ष ने दिया आवेदन
- मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बताई समस्या

नवभारत न्यूज
सिरोंज 16 सितम्बर, थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ सिरोंज के अध्यक्ष समीर भार्गव ने मुख्यमंत्री के नाम एक आवेदन देकर सिरोंज की कृषि उपज मंडी को प्रस्तावित नवीन मंडी परिसर में स्थानांतरित किए जाने से पहले स्थानीय व्यापारियों एवं संबंधित हितधारकों से चर्चा करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री से भी भेंट कर प्रस्तावित मंडी स्थल का पुन: परीक्षण कराने तथा व्यापारियों की आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने का आग्रह किया.

थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ सिरोंज के अध्यक्ष समीर भार्गव ने बताया कि मुख्यमंत्री के नाम दिए गए आवेदन में कहा गया है कि सिरोंज के समस्त व्यापार और आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ कृषि उपज मंडी है। जानकारी मिली है कि वर्तमान कृषि उपज मंडी को निकट भविष्य में नवीन मंडी परिसर में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित नवीन मंडी का स्थान ऐसी निर्जन एवं पहाड़ी क्षेत्र में बताया जा रहा है, जहां वर्तमान में पर्याप्त आबादी, बाजार और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का अभाव हैं। उन्होंने कहा कि यदि कृषि उपज मंडी का ऐसे स्थान पर जबरन स्थानांतरण किया जाता है, तो इसक सीधा एवं गंभीर प्रभाव केवल मंडी व्यापार पर ही नहीं, बल्कि सिरोंज के अन्य सभी व्यापार एवं रोजगार पर पड़ सकता है.मंडी से जुड़े किसान, व्यापारी, हम्माल, मजदूर, परिवहनकर्ता और अन्य व्यवसायी वर्तमान शहर की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. मंडी शहर से दूर चले जाने पर इन सभी गतिविधियों में भारी गिरावट आने की आशंका जताई है.उन्होंने कहा कि सिरोंज में कोई विकसित औद्योगिक क्षेत्र नहीं है. ऐसी परिस्थितियों में कृषि उपज मंडी ही सिरोंज की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने का प्रमुख आधार है.

सिरोंज की आर्थिक एवं व्यापारिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका

मंडी का स्थानांतरण केवल एक परिसर का स्थान बदलना नहीं, बल्कि सिरोंज की संपूर्ण आर्थिक एवं व्यापारिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला निर्णय होगा. इसी को लेकर मुख्यमंत्री से प्रस्तावित नवीन मंडी स्थल का पुन: परीक्षण कराने की मांग की गई है.मांग में कहा गया है कि मंडी को ऐसे उपयुक्त स्थान पर स्थापित करने पर विचार किया जाए, जहां किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुविधाएं मिल सकें तथा सिरोंज के वर्तमान व्यापार एवं रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े.सिरोंज के समग्र आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित मंडी स्थानांतरण से पहले स्थानीय व्यापारियों एवं संबंधित हितधारकों से चर्चा करने की मांग भी की गई है. इसमें उनकी आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने की बात कही गई है.मांग करने वालों का कहना है कि मंडी स्थानांतरण का प्रभाव केवल मंडी परिसर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे आसपास की व्यापारिक गतिविधियां और रोजगार भी प्रभावित हो सकते हैं. इसलिए किसी भी अंतिम निर्णय से पहले प्रस्तावित स्थल की व्यवहारिकता, किसानों और व्यापारियों की सुविधा तथा शहर की वर्तमान व्यापारिक व्यवस्था का व्यापक स्तर पर परीक्षण किया जाना आवश्यक है.

कांग्रेस पार्षदों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

- नगर की विभिन्न समस्याओं का निराकरण नहीं होने का आरोप
- पेंशन और शासकीय योजनाओं को लेकर जनता की परेशानी बताई

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा 16 सितम्बर, नगर की विभिन्न समस्याओं का निराकरण नहीं होने की शिकायत को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा. पार्षदों ने कहा कि नगर के गरीब और जरूरतमंद लोगों को समय पर पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है. छोटी-छोटी समस्याओं के निराकरण के लिए भी आम लोगों को शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं. पार्षदों ने एसडीएम को बताया कि कई नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित कार्यालयों में आवेदन देते हैं, लेकिन समय पर सुनवाई नहीं होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. विशेष रूप से गरीब, बुजुर्ग और जरूरतमंद लोगों को पेंशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई.ज्ञापन में पार्षदों ने नगर की अन्य समस्याओं पर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर उनके शीघ्र निराकरण की मांग की. उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं की सुनवाई के लिए अधिकारियों द्वारा प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें.

हर्षित लोधी का राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयन

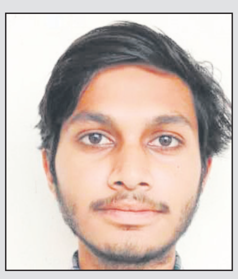

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, सेंट एस.आर.एस. पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र हर्षित लोधी का राज्य स्तरीय शालेय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है. सीहोर में आयोजित संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हर्षित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी और बेहतर खेल का प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान बनाया.राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 30 सितंबर तक सीहोर में किया जाएगा. प्रतियोगिता में हर्षित प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेंगे.हर्षित के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन पर विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की. उन्होंने हर्षित को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं.

70वीं संभाग स्तरीय शालेय रग्बी प्रतियोगिता का विदिशा में समापन

- सीहोर और रायसेन के खिलाड़ियों ने दिखाया दम
- अंडर-19 बालिका वर्ग में रायसेन ने 20-0 से दर्ज की शानदार जीत

नवभारत न्यूज
विदिशा। स्थानीय जिला खेल परिसर में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 70वीं संभाग स्तरीय शालेय रग्बी प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ. प्रतियोगिता में भोपाल संभाग के विदिशा, सीहोर, रायसेन और भोपाल जिले के अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग के 174 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया.

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रशांत रघुवंशी, ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी अंबेश सोनी, माध्यमिक खेल शिक्षक पंकज भार्गव, अंजनी पाठक, शशांक शर्मा एवं निशांक जैन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया.प्रतियोगिता के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया. अंडर-14 बालक वर्ग में सीहोर ने रायसेन को 5-0 से हराया, जबकि बालिका वर्ग में रायसेन ने सीहोर को 5-0 से पराजित किया. अंडर-17 बालक वर्ग में सीहोर ने रायसेन को 10-0 तथा बालिका वर्ग में भी सीहोर ने रायसेन को 10-0 से हराया.अंडर-19 बालक वर्ग में रायसेन ने सीहोर को 5-0 से शिकस्त दी. वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में रायसेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीहोर को 20-0 के बड़े अंतर से हराया.पूरे आयोजन के दौरान गोपाल कुशवाह एवं विकास कुमरे ने रैफरी की भूमिका निभाई. समापन अवसर पर अतिथियों एवं अधिकारियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

नगर का नाम रोशन करने वाले बाल कलाकार सात्विक और इंजीनियर सौरव का नगर पालिका में सम्मान

- कला के क्षेत्र में सात्विक ने बड़े पर्दे पर बनाई पहचान
- तकनीकी क्षेत्र में सौरव को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, नगर की दो प्रतिभाओं ने कला और तकनीकी क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल कर शहर का नाम प्रदेश और देश स्तर पर रोशन किया है. बुधवार को नगर पालिका परिषद गंजबासौदा में दोनों प्रतिभाओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया. सम्मान समारोह के दौरान नगर पालिका परिसर में खुशी और गर्व का माहौल रहा.

नगर के बाल कलाकार सात्विक शर्मा को धार्मिक फिल्म हनुमान अंश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया. यह फिल्म नीम करोली बाबा के जीवन से प्रेरित बताई गई है. फिल्म में सात्विक के अभिनय की दर्शकों और समीक्षकों द्वारा सराहना की जा रही है. छोटे शहर से निकलकर बड़े पर्दे तक पहुंचने और अभिनय के क्षेत्र में पहचान बनाने पर नगर पालिका की ओर से सात्विक का पुष्पमाला एवं शॉल-श्रीफल से स्वागत किया गया.इसी अवसर पर नगर पालिका के उपयंत्री सौरव श्रीवास्तव का भी सम्मान किया गया. अभियंता दिवस के अवसर पर नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा उन्हें उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया था. नगर के विकास कार्यों में उनके योगदान के लिए प्राप्त इस राज्य स्तरीय सम्मान को लेकर नगर पालिका में उनका अभिनंदन किया गया.सम्मान समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती अंजली मनोज यादव, व्यापार महासंघ के पूर्व अध्यक्ष मनोज डागा सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे.नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव ने कहा कि सात्विक शर्मा ने कला के क्षेत्र में और सौरव श्रीवास्तव ने तकनीकी क्षेत्र में नगर का नाम रोशन किया है. दोनों प्रतिभाएं शहर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं. उन्होंने कहा कि नगर की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए ऐसे सम्मान जरूरी हैं.

शौर्य राठौर बने मिस्टर फ्रेशर, अनन्या जैन को मिला मिस फ्रेशर का खिताब

नवभारत न्यूज
विदिशा, सेंट मेरी पीजी कॉलेज, विदिशा के बीबीए विभाग द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उत्साहवर्धन के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बीबीए विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की.

कार्यक्रम में संस्था संचालक फादर शिंटो, डीन फादर जोस, प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान एवं विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश सुर्जन ने विद्यार्थियों को संबोधित किया. फादर शिंटो ने कहा कि कॉलेज जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर भी है. उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया.डीन फादर जोस ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानकर निरंतर प्रयास करने और कॉलेज की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की सलाह दी. प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान ने शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार एवं जिम्मेदारी को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया.विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश सुर्जन ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग का प्रयास रहेगा कि विद्यार्थी डिग्री के साथ बेहतर व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता, व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास भी अर्जित करें.कार्यक्रम में मनोरंजक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता के बाद शौर्य राठौर को मिस्टर फ्रेशर और अनन्या जैन को मिस फ्रेशर चुना गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रामानंद मिश्रा, प्रोफेसर विशाखा अग्रवाल एवं प्रोफेसर प्रशांत सेन का योगदान रहा.

नाहे में लगा मेला, सर्पदंश के बंध खुलवाने पहुंचे सैकड़ों पीड़ित

- गणेश चतुर्थी की रात लगा कारस देव-हीरामणि बाबा का दरबार
- सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा पुलिस बल

नवभात न्यूज
पठारी, थाना क्षेत्र के ग्राम नाहे में गणेश चतुर्थी की रात कारस देव एवं हीरामणि बाबा के स्थान पर वार्षिक मेले का आयोजन किया गया. मेले में क्षेत्र सहित दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. ग्रामीणों के अनुसार यहां सर्पदंश और जहरीले कीड़ों के काटने से पीड़ित लोग भी अपनी मान्यता के अनुसार बंध खुलवाने के लिए पहुंचते हैं. रातभर चले आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही.

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम नाहे में कारस देव एवं हीरामणि बाबा के चबूतरे की वर्षों पुरानी मान्यता है. ग्रामीणों के अनुसार कहीं पर जहरीला कीड़ा काटने पर पीड़ित व्यक्ति कारस देव एवं हीरामणि बाबा का स्मरण कर शरीर पर हाथ फेरकर बंध लगाता है. इसके बाद गणेश चतुर्थी की रात लगने वाले मेले में उस बंध को खुलवाने के लिए पीड़ित यहां पहुंचते हैं. जिन लोगों के पशुओं को जहरीले कीड़े के काटने की मान्यता होती है, वे उनके गले में बांधी गई रस्सी भी यहां लेकर आते हैं.

रन सिंह ठाकुर ने बताया कि वर्ष में एक बार लगने वाले इस दरबार में क्षेत्रभर से एक हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचते हैं. आयोजन के दौरान रात 12 बजे तक गोटों का कार्यक्रम चलता है. इसके बाद बाहर से आए पीड़ित श्रद्धालु अपनी समस्या बताते हैं, जिसके बाद परंपरागत रूप से उपचार की प्रक्रिया की जाती है.मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ग्रामीणों द्वारा विशेष व्यवस्था की जाती है. गांव के लोग बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को अपने घरों में ठहरने के लिए स्थान देने के साथ भोजन की व्यवस्था भी स्वयं करते हैं. आयोजन को देखते हुए पठारी पुलिस के अलावा आसपास के थानों से भी पुलिस बल बुलाया गया था.इस दौरान थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह सहित पुलिस स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा. विद्युत व्यवस्था के लिए जेई संतोष अहिरवार सहित विद्युत विभाग का अमला भी मौजूद रहा.

गणेश पंडालों में टीवी सीरियल के किरदार बने आकर्षण का केंद्र

- बंटी नगर में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की थीम पर सजा पंडाल
- जेठालाल से लेकर बबीता जी तक नजर आए पात्र

नवभारत न्यूज
विदिशा, शहर में गणेश उत्सव के दौरान विभिन्न पंडालों में रचनात्मकता और आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही हैं। बंटी नगर में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी सीरियल की थीम पर सजाया गया गणेश पंडाल इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. पंडाल में सीरियल के लोकप्रिय किरदार जेठालाल, दयाबेन, टप्पू सेना, बबीता जी, बापूजी सहित गोकुलधाम सोसाइटी के अन्य पात्रों के स्वरूप बनाए गए हैं। सभी पात्र भगवान गणपति की आराधना करते हुए नजर आ रहे हैं। एक झांकी में पूरी गोकुलधाम सोसाइटी का दृश्य तैयार किया गया है, जिसे देखने के लिए बच्चों के साथ बड़ी संख्या में बड़े भी पहुंच रहे हैं.समिति सदस्य दीपक दांगी ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान हर वर्ष कुछ अलग और रचनात्मक करने का प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में इस बार टीवी सीरियल की लोकप्रिय थीम को पंडाल की सजावट का आधार बनाया गया है

मौन सूचना
विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए नि:शुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.
ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.
मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO
विकास पचौरी रेडियो 84 35 250 250
और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए

आयोजन तीनों प्रमुख रामदेव मंदिरों में दिनभर धार्मिक आयोजन, ध्वजा लेकर पहुंचे श्रद्धालु; देर रात तक लगा रहा भक्तों का तांता

जन्मोत्सव पर सजा छप्पन भोग, दिनभर चला भंडारा, पालने में हुए बाबा के दर्शन

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा। राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता बाबा रामदेव जी का जन्मोत्सव नगर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया. भाद्रपद शुक्ल द्वितीया (भादवा दूज) के अवसर पर चक्क स्वरूप नगर, राजेंद्र नगर और बहलोट स्थित रामदेव मंदिरों में दिनभर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा. सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा.

चक्क स्वरूप नगर स्थित रामदेव मंदिर में जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र को आकर्षक विद्युत सजावट और फूलों से सजाया गया था. सुबह बाबा रामदेव जी की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की गई. इसके बाद बाबा का भव्य श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किया गया. मंदिर का शिखर पचरंगी ध्वजा से सजाया गया.हनुमान चौक से श्रद्धालु बाबा की ध्वजा लेकर पिंड भरते हुए चक्क स्वरूप नगर स्थित मंदिर पहुंचे. भक्ति भाव के साथ मंदिर के शिखर पर पचरंगी ध्वजा अर्पित की गई. इस दौरान बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया.

मंदिर के संस्थापक एवं मुख्य पुजारी पंडित वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस वर्ष बाबा रामदेव जी का 670वां जन्मोत्सव मनाया गया. उन्होंने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का क्रम शुरू हो गया था. पंचामृत अभिषेक, विशेष पूजन, श्रृंगार, छप्पन भोग, पालना दर्शन और भंडारे सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन पूरे दिन चलते रहे. जन्मोत्सव के दौरान चक्क स्वरूप नगर सहित आसपास का क्षेत्र बाबा के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंजता रहा.

दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

जन्मोत्सव का प्रमुख आकर्षण पालना दर्शन रहा. बाबा रामदेव जी की प्रतिमा को पालने में विराजमान कर श्रद्धालुओं को दर्शन कराए गए. बड़ी संख्या में भक्तों ने पालने में विराजमान बाबा के दर्शन किए और सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की.जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में सुबह से भंडारे का आयोजन किया गया, जो देर रात तक चलता रहा. हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवा कार्य में भी सहभागिता की.इस अवसर पर विधायक हरि सिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मंदिर पहुंचकर बाबा रामदेव जी की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की.

माटी गणेश निर्माण कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साह से बनाईं गणेश प्रतिमाएं

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड स्तरीय माटी गणेश, सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला में एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों को प्रेमनारायण प्रजापति ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया. विद्यार्थियों ने उत्साह, रचनात्मकता और कलात्मकता के साथ स्वयं गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं.कार्यक्रम में विभाग पर्यावरण प्रमुख रूपेश लाड, वरिष्ठ भाजपा नेता शैलेन्द्र सिंह रघुवंशी, मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय संयोजक सफाकद हुसैन कादरी, जिला संपर्क प्रमुख प्रियव्रत शास्त्री एवं विकासखंड समन्वयक ममता राठौर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि गणेश चतुर्थी पर स्वयं द्वारा बनाई गई माटी की गणेश प्रतिमा ही घर में स्थापित करें और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं.

गणेश जी की सच्ची पूजा फूल, दीप और प्रसाद से नहीं, उनके गुणों को जीवन में अपनाने से होती है-रुक्मणी दीदी

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली, बरेठ रोड स्थित सेवाकेंद्र द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने गणेश जी के स्वरूप में निहित आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी संदेशों पर प्रकाश डाला.

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में श्रीगणेश को प्रथम पूज्य माना गया है. किसी भी शुभ कार्य का आरंभ गणेश वंदना से किया जाता है. इसका संदेश केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि गणेश जी का स्वरूप मनुष्य को बुद्धि, विवेक, धैर्य, आत्मसंयम और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देता है.उन्होंने बताया कि गणेश जी का विशाल मस्तक व्यापक सोच, उदारता और दूरदर्शिता का प्रतीक है. बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने के साथ धैर्य एवं ग्रहणशीलता की शिक्षा देते हैं. छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का संदेश देती हैं. गणेश जी की सूंड शक्ति और कोमलता के संतुलन का प्रतीक है, जो परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की सीख देती है.रुक्मणी दीदी ने कहा कि गणेश जी का एक दांत त्याग का प्रतीक माना जाता है, जबकि उनका विशाल पेट जीवन की विभिन्न परिस्थितियों को आत्मसात करने की क्षमता का संदेश देता है. सुख-दु:ख, प्रशंसा-आलोचना और सफलता-असफलता को समान भाव से स्वीकार करना ही जीवन की परिपक्वता है.उन्होंने गणेश जी के वाहन चूहे का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटे आकार के बावजूद चूहा हर स्थान में प्रवेश कर सकता है, जो मन की चंचलता और सूक्ष्मता की ओर संकेत करता है. गणेश जी की चार भुजाएं मन, बुद्धि, कर्म और संस्कार के संतुलन का प्रतीक हैं. उनके हाथों में अंकुश मन को नियंत्रित करने, पाश अनुशासन, मोदक आत्मिक आनंद तथा वरद मुद्रा करुणा और आशीर्वाद का संदेश देती है.